श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

पराभव नाम संवत्सर आरंभ - १९-०३-२०२६

चैत्र मास / चैत्र नवरात्रि एवं राम नवरात्रि - १९-०३-२०२६ – २७-०३-२०२६

श्री राम नवमी - २७-०३-२०२६

श्री हनुमान जयन्ती - ०१-०४-२०२६

१) श्री यंत्र साधना:

विधान: साधक या साधिकायें, पीले या गुलाबी वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | श्री यंत्र कि पंचोपचार पूजन करे | सफेद हकीक या कमल बीज माला से नित्य जप करे |

मंत्र: || ॐ श्रीं ललितायै ह्रीं ऐं फट् ||

सामाग्री : श्री यंत्र ,सफेद हकीक या कमल बीज माला

जप संख्या : २१ माला

२) कमला साधना:

विधान: साधक या साधिकायें, गुलाबी वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | श्री यंत्र कि पूजा करे ,कमल बीज माला से नित्य ११ माला करे |

मंत्र: || ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः ||

सामाग्री: श्री यंत्र , कमल बीज माला

जप संख्या : ११ माला

३) त्रिपुर सुन्दरी युक्त श्रीयन्त्र साधना:

विधान: साधक या साधिकायें, पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे |

नवरात्रि के प्रथम दिन पूजा स्थान पर बाजोट पर पीले वस्त्र पर श्रीयंत्र की स्थापना कर उसकी पूर्ण पूजन करे (षोडशोपचार)। उससे पूर्व कलशादि गणपती की पूजन कर संकल्प करे। इच्छा व्यक्त करे।

स्वयं स्वच्छ पीले वस्त्र धरण करे और गुरु मंत्र जप कर गुरुआज्ञा और आशीर्वाद ले कर साधना आरंभ करे।

श्री यंत्र की पूर्ण पुजन मे घी का दीपक और नैवेद्य में मिष्ठान्न चढाये । फल का भोग भी चढाया जा सकता है ।

(अ) मंत्र: || ॐ ह्रीं ह्रीं श्रीं श्रीं पारद श्रीयन्त्राय श्रीं श्रीं ह्रीं ह्रीं ॐ|| (अगर पारद यंत्र हो तो)

मंत्र: || ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः|| (कोई भी श्री यंत्र)

सामाग्री: श्री यंत्र ,कमलबीज माला

जप संख्या: ११ माला

(आ) अपनी दाहिनी ओर तेल का दीपक लगा कर त्रिपुर सुन्दरी मंत्र का जप ९ माला करे | इस जप मे लाल हकीक माला या लाल चंदन की माला का प्रयोग किया जाता है |

मंत्र: || श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः ॐ त्रिपुर सुन्दर्यै सर्व शक्ति समन्वित सौः ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं ||

सामाग्री: लाल हकीक माला या लाल चंदन की माला

जप संख्या: ९ माला

इस साधना मे साधकगण पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करे | भूशयन कर एकभुक्त रहे और वातावरण प्रसन्न रखे | जप पूर्ण मनोयोग से संपूर्ण ध्यान लगा कर श्रद्धा एवं विश्वास के साथ स्पष्ट मंत्र जप अवश्य करे | नवे दिन यदि संभव हो तो किसी कन्या को घर भोजन कराये और यथोचित दान दे |

४) "श्रीं" साधना:

विधान: साधक या साधिकायें, पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | श्रीं बीज,भोज पत्र पर अष्टगंध से नित्य एक सहस्त्र(१०००) बार अनार की कलम से नौ दिनो तक लिखने से श्रीं यंत्र सिद्धि प्राप्त होती है |

५) त्रिपुर सुन्दरी साधना / श्री यंत्र साधना

चैत्र नवरात्रि में साधक या साधिकाएं स्नान आदि से निवृत होकर, सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर, गुरु मंत्र का जप कर, निम्न साधना प्रारंभ करे |

मंत्र: || ॐ ऐं ह्रीं श्रीं त्रिपुरसुन्दर्यै नमः ||

जप संख्या: ११ माला

सामाग्री: कमल बीज माला, श्री यंत्र / त्रिपुर सुन्दरी यंत्र

- यह साधना एक या दो या नवरात्रि के सारे दिन कर सकते है |
- कमल बीज माला से ११ माला जप करे |
- किसी भी यंत्र की अनिवार्यता नही है,परन्तु यदी घर पर श्री यंत्र या त्रिपुर सुन्दरी यंत्र हो तो उसकी पूजन कर,जप करे |
- पीले या कोई भी धुले वस्त्र धारण कर सकते है |
- यदि कोई प्रबल इच्छा हो तो उसे यंत्र के सामने या अपने मन उस इच्छा की पूर्ति हेतु संकल्प करे |
- सारे नवरात्रि के दिनो में जप करने पूर्णत प्राप्त होगी |

६) राम नवमी (२७ – ०३ – २०२६) :

विधान: साधक या साधिकायें, पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे |

इस राम नवरात्री मे रक्षा हेतु श्री राम रक्षा स्तोत्र का पाठ नित्य करे और नित्या २४ माला "राम" तारक मंत्र का जप चंदन की माला से करे |

मंत्र: || राम ||

सामाग्री: चंदन माला

जप संख्या: २४ माला

७) हनुमान जयन्ती साधना (०१-०४-२०२६) :

विधान: साधक या साधिकायें, पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | इन दोनो साधना मे हनुमान की पूजा लाल पूलो से और नारियल के गोले से करे |

(अ) चैत्र शुक्ल पौर्णिमा के दिन ब्रम्ह मुहुत मे (प्रत: ३ बजे से ६ बजे तक हनुमान चालीसा का १०८ बार पारायण करे |

(आ) शत्रु नाश हेतु:

इस दिन पंचमुखी हनुमान साधना शत्रु नाश हेतु किया जाता है | मूंगा माला से लाल वस्त्र धरण कर नीचे दिये मंत्र की २१ माला जप करे |

मंत्र: || ॐ पूर्वकपि मुखाय पंचमुख हनुमते टं टं टं टं टं सकल शत्रु संहारणाय स्वाहा |

सामाग्री: मूंगा माला

जप संख्या: २१ माला

****